



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027965
9415055318

दैनिक

संजय भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

रक्षामंत्री राजनाथ और सीएम योगी ने 100 करोड़ रु से अधिक के 14 प्रोजेक्ट्स की रखी नींव



(यंग भारत न्यूज)
दिल्ली/टीम डिजिटल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार, 30 अगस्त 2026 को लखनऊ छावनी में 100 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली 14 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन किया। इनमें राज्य सरकार के सहयोग से लागू की जा रही 2 परियोजनाएं भी शामिल हैं। इन परियोजनाओं से छावनी क्षेत्र में जल आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल, स्वच्छता, पार्किंग और नागरिक सुविधाओं के साथ शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने करीब 4,000 लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को भी सुना। लखनऊ छावनी में शुरू की जा रही परियोजनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित



ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र, आधुनिक श्मशान घाट, 1,500 किलोलीटर क्षमता वाला भूमिगत जलाशय, पुरानी और खराब हो चुकी जल आपूर्ति पाइपलाइन को बदलना, एससीएडीए स्वचालन के साथ 8 ट्यूबवेल का निर्माण और एससीएडीए प्रणाली से जुड़े ओवरहेड टैंक का निर्माण शामिल है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य छावनी क्षेत्र में जल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को आधुनिक बनाना है। परियोजनाओं के तहत लखनऊ छावनी में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष विद्यालय, आरए बाजार माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त कक्षाओं और शौचालयों का निर्माण तथा रेनबो मॉडल स्कूल में अतिरिक्त कक्षाओं

और शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा बहुउपयोगी खेल परिसर भी विकसित किया जाएगा, जिससे युवाओं और बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। लखनऊ छावनी में बहुस्तरीय रोबोटिक कार पार्किंग और वाणिज्यिक परिसर के निर्माण की भी योजना है। साथ ही विरासत अपशिष्ट के जैव-खनन और जैव-जल आपूर्ति परियोजना भी शुरू की जाएगी। इन पहलों के जरिए छावनी क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था, शहरी सुविधाओं और पर्यावरण प्रबंधन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। राज्य सरकार के सहयोग से आरए बाजार सिटी पॉलीक्लिनिक और मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग सेंटर को दो परियोजनाएं भी लागू

की जा रही हैं। इनसे छावनी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं और विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक अवसरों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 4,000 लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ छावनी में शुरू की गई पहलें नागरिक सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल, स्वच्छता, जल आपूर्ति और शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं। राजनाथ ने कहा कि लखनऊ छावनी का विकास लखनऊ की प्रगति से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से विकास और सुशासन को गति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य छावनी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में प्रत्यक्ष सुधार लाना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अर्थ केवल बड़ी परियोजनाओं और आधुनिक इमारतों का निर्माण नहीं है, बल्कि इसका अर्थ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना

6 साल की बच्ची से दरिंदगी का आरोपी ढेर, क्राइम सीन रीक्रिएट में हुआ एनकाउंटर

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव में 6 साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस शनिवार दोपहर आरोपी को घटना को समझने और क्राइम सीन रिक्रिएट करने के लिए लेकर गई थी। इसी दौरान पुलिस के मुताबिक आरोपी ने एक



पिस्तौल से पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, बच्ची शुक्रवार दोपहर अचानक लापता हो गई थी। तलाश के दौरान शनिवार सुबह उसका शव गांव के तालाब के पास मिला। पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों की पहचान की थी। मुख्य आरोपी की उम्र करीब 40 साल बताई गई है। पुलिस को आशंका है कि बच्ची को अगवा करने के बाद दूसरे संदिग्ध के घर में उसके साथ यौन अपराध किया गया। पुलिस बच्ची के एक रिश्तेदार की भूमिका की भी जांच कर रही है। बच्ची का शव शनिवार सुबह गांव के तालाब के पास एक इलाके से बरामद किया गया। इसकी जानकारी

छिपाने की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को हथियार बरामद करने के लिए वहां ले जाया गया। इसी दौरान उसने पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और छिपाई गई पिस्तौल से फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी घायल हुआ। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी

मिलेत ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। नाराज लोगों ने गांव की मुख्य सड़क पर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। बच्ची का परिवार गांव में मिठाई की दुकान चलाता है। परिजन ने शुक्रवार रात ईकोटेक-3 थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर बच्ची की तलाश के लिए पांच टीमों गठित कीं। पुलिसने आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद बच्ची का शव बरामद हुआ। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर मुख्य संदिग्ध की पहचान की गई। शनिवार दोपहर उसे हिरासत में लेकर पृथ्ताछ की गई। पुलिस का दावा है कि पृथ्ताछ में आरोपी ने अपराध में इस्तेमाल पिस्तौल को डी-पार्क पुलिस चौकी के पास झाड़ियों में

घायल हो गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घायल आरोपी और पुलिसकर्मी को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने आरोपी को मृत घोषित कर दिया। घायल पुलिसकर्मी का इलाज जारी है। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके लिए डॉक्टरों का पैनल गठित किया गया है और पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। मामले में बीएनएस की धारा 65 और 103 के साथ पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। इसमें कथित तौर पर बच्ची के पीछे एक व्यक्ति जाता और बाद में पीठ पर बोरी लेकर लौटता दिखाई दे रहा है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

ट्रांसफर पर हुई थी फूलों की बारिश, अब 13 साल बाद छोड़ी आईएएस की नौकरी; जानिए क्या है दिव्या मित्तल का अगला प्लान

(यंग भारत न्यूज)
मीरजापुर। जनपद की पूर्व जिलाधिकारी आइएएस दिव्या मित्तल ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर इस्तीफे की जानकारी होते जनपद में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गई। जनपद में विकास कार्यों और स्वभाव के चलते लोगों में काफी लोकप्रिय रहीं आइएएस दिव्या मित्तल के इस्तीफा को लेकर अगले कदम पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कहा जा रहा है कि इनका अगला कदम समाज सेवा को लेकर राजनीति में आना हो सकता है। जनपद में तैनाती के दौरान दिव्या मित्तल विकास कार्यों को लेकर काफी चर्चित रहीं। राजनेताओं की बातों

को दरकिनार कर अपने फैसले पर अडिग रहती थीं। उनके अडिग फैसले का ही परिणाम रहा कि आजादी के लगभग 76 साल बाद जनपद की पहाड़ी पर स्थित लहुरिया दह गांव के लोगों को पहली बार पाइप लाइन से पानी की आपूर्ति मिली। इसके पहले तक गांव के 1,200 लोग पानी के लिए पास के झरने पर निर्भर थे, जो गर्मियों में सूख जाता था। ऐसे में गांव में पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए टैंकर ही एकमात्र साधन थे। इसके लिए गांव वालों को पैसा देना पड़ता था। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि ट्रांसफर होने के बाद लोगों ने फूलों की वर्षा करके स्वागत करते हुए



विदाई दी थी। पूर्व जिलाधिकारी गत 10 जुलाई को जनपद में जनता की नब्ब

टटोलने के लिए अपने शुभचिंतकों से मुलाकात की थी। इस दौरान नए कलेक्ट्रेट

भवन के निर्माण के साथ ही राज्य से जुड़े कई मामलों की समीक्षा की थी। इसके साथ ही मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के साथ ही कछवां क्षेत्र के कई मंदिरों व सदर विधानसभा क्षेत्र के साथ ही जनपद की अन्य ग्राम पंचायतों में भी जाकर अपने शुभचिंतकों से मुलाकात व मंदिरों में दर्शन-पूजन किया था। दिव्या मित्तल को शासन ने 18 सितंबर 2022 को मीरजापुर

का डीएम की जिम्मेदारी सौंपी थी। वह मूलरूप से हरियाणा के रेवाड़ी की निवासी हैं, लेकिन उनका जन्म दिल्ली में ही हुआ। उनकी पढ़ाई भी दिल्ली में ही हुई। 10वीं और 12वीं करने के बाद दिल्ली में ही बीटेक किया और फिर आइआइएम बेंगलुरु से एमबीए की। इसके बाद उनकी शादी हो गई। उनकी और पति गगनदीप सिंह को लंदन में बहुत अच्छे पैकेज पर नौकरी भी लग गई थी, लेकिन देश प्रेम इन्हन वह वहां ज्यादा दिन तक नहीं रह पाई। पति-पत्नी ने इस्तीफा देकर लंदन से वापस लौटने का फैसला किया और हुआ भी यही। जनपद से दिव्या मित्तल को बस्ती के जिलाधिकारी की जिम्मेदारी

मिलने के बाद लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया था। जनपद में डीएम के पद पर रहने के दौरान विकास को लेकर काफी सख्त थीं। अक्सर अधिकारियों को फटकार लगाती रहती थीं। लोगों की मदद करने को लेकर भी वह खूब सुविधियों में रहीं। यही वजह थी कि उन्हें विदाई देने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आइएएस दिव्या मित्तल की विदाई पर झुले पर बैठकर फूलों की बारिश की गई। लोगों का कहना है कि ऐसी विदाई कुछ ही लोगों को नसीब होती है तो वहीं कुछ का कहना है कि ऐसे अधिकारियों को देश को जरूरत हैं, जहां भी रहेंगी, लोगों का भला होगा।

गाँव से लेकर शहर तक सरकार पत्रकार को प्रतिदिन 500 का मानदेय दे

- » मीडिया को सौतेला बेटा मानती है सरकार
- » चार पत्रकार संगठनों के बैनर तले हुई महत्वपूर्ण बैठक सभी पत्रकारों का सरकार स्वस्थ एवं जीवन बीमा फ्री करवाये
- » किसी भी पत्रकार की पत्रकारिता के दौरान हुई हत्या या दुर्घटना पर हुई मौत में सरकार उनके परिजनों को 50 लाख का मुआवजा दे
- » किसी भी पत्रकार के खिलाफ सीओ स्तर की जांच के बिना FIR न हो
- » अगर संरक्षक श्री अनिल शर्मा और श्री संजय श्रीवास्तव तथा किसी भी अन्य पत्रकार साथी के खिलाफ सोशल मीडिया में कुछ भी खिलाफ लिखा जाता है तो हम चारों संगठन के लोग उसका जोरदार टंग से विरोध करेंगे

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

उरई। देश में प्रत्येक शहर से ग्रामीण क्षेत्र तक के पत्रकार को सरकार 7500 प्रतिदिन मानदेय दे जब 8 घंटे की मेहनत के बाद जी राम जी योजना में मजदूर को रुपया मिलता है तब गांव से लेकर शहर तक 24 घंटे किसी भी समय पत्रकारिता करने वाले पत्रकार को एक भी पैसा क्यों नहीं मिलता क्या पत्रकार लोकतंत्र का सौतेला बेटा है ऐसे में वह पत्रकार अपना वह अपने बच्चों का पेट कैसे भरे यह एक सवाल है इसके बाद उससे ईमानदारी और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है यह निर्णय आज वरिष्ठ पत्रकार अजय शहर के मीडिया हाउस में पत्रकार संगठनों के चार सदस्य अध्यक्ष मंडल ने प्रस्ताव रखकर कही बैठक में मौजूद सभी पत्रकारों ने एक स्वर से तालिया की गड़गड़हट के बीच यह प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया प्रस्ताव पारित होते ही बैठक में उपस्थित सैकड़ों पत्रकारों के चेहरों में खुशी की लहर दौड़ गई इसके बाद के प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारों को लोकतंत्र में चौथा स्तंभ कहकर उसे झुझना पकाड़ने का काम किया गया लोकतंत्र के तीन स्तंभों क्रमशः विधायिका न्यायपालिका और कार्यपालिका ने लाल नीली बतियां बाँट ली कोठी स्टफ नौकर से सुविधा बाँट ली अच्छे वेतन कर अलाउंस तथा सुविधा बाँट ली लेकिन पत्रकारों के साथ सौतेला व्यवहार किया गया उन्हें खबर के लिए फोन लैपटॉप वायरलेस देने की जरूरत नहीं समझी गई न ही सरकार ने पत्रकारों के लिये सामान्य वेतन की भी व्यवस्था नहीं की लेकिन धन है पत्रकार कि जब गांव में संसाधन नहीं थे केवल बेसिक फोन होते थे तब भी पत्रकारों के पास हर क्राइम और विकास



योजनाओं में भ्रष्टाचार की खबर पुलिस और प्रशासन से पहले जनपद मुख्यालय में पत्रकारों के पास पहुंचती थी अब तो मोबाइल का जमाना है उधर बीहड़ के गाँवों में भी रात को यदि कोई घटना होती है तो ग्रामीणों द्वारा रात में ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया को तत्काल बनाकर भेज दी जाती है इसके कारण प्रशासन और पुलिस हमेशा से मीडिया से पीछे रह जाती है श्री श्रीवास्तव ने कहा कि बुंदेलखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हर घर को नल से जल के लिये 28000 करोड़ रुपए का भारी भरकम बजट दिया है जिसमें जल शक्ति मंत्रालय और जल निगम के भ्रष्ट अधिकारियों नेताओं ने भारी घोटाला किया है यदि इसकी सीबीआई की जांच हो जाए तो बड़े-बड़े महारथी जेल के अंदर जाएंगे श्री श्रीवास्तव ने कहा यह तो एक विभाग के भ्रष्टाचार की बानगी है सभी सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार का बोल वाला है और पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर समाज की समस्याओं को उठाना है और उठाता रहेगा भले ही उसे जो जोखिम उठाना पड़े जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार मनोज राजा ने कहा नए पत्रकारों को पत्रकारिता का प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता है पत्रकारों को कम से कम स्नातक होना चाहिए इसका उद्देश्य को सिखाने पत्रकारता के मानकों को सिखाने



तथा अपने सीनियरों से नया कुछ सीखने की ललक होना चाहिए नए लड़कों को पत्रकारता सीखने के लिए जो आते हैं उनमें इतनी जल्दी है कि वह एक-दो महीने में ही ब्यूरो चीफ बनना चाहते हैं और अगर उन्हें डांट दो तो वह किसी संस्थान में 50-60 हजार रुपए खर्च करके किसी भी अखबार या चैनल के ब्यूरो चीफ बनकर आ जाते हैं और उन्होंने यह भी नहीं सीखा जो हमारे सीनियर पत्रकार पत्रकार वार्ता या किसी कार्यक्रम में जाते हैं तो उनके लिए वह उठकर खड़े हो जाएं सीट उपलब्ध करा दें जबकि पिछले 60-70 सालों से जिले और देश के सीनियर पत्रकार यह काम करते चले आ रहे हैं यदि कोई जूनियर पत्रकार आया तो उसके लिए सीट का इंतजाम करवाते हैं मनोज राजा ने कहा यदि कोई नया पत्रकार पत्रकारिता को जाने-माने बिना मादक पदार्थों जुआ शराब सट्टा के खिलाफ खबर लिखकर पत्रकार यह काम करते चले आ रहे हैं यदि कोई किसी पत्रकार की कोई मदद नहीं करेंगे वरिष्ठ पत्रकार अनिल शर्मा ने कहा चारों संगठनों के पत्रकारों की एक कमेटी बनाई जाए जो विधायकों सांसदों एमएलसी आदि से मिलकर विधानसभा विधान परिषद और संसद में ऐसे कानून बनाने के

चाहिए वरिष्ठ पत्रकार मतलब चंदेल ने कहा मैं वकील भी हूँ और मैं जानता हूँ कि समाज में प्रशासन पुलिस से लेकर गुंडा माफिया तक अधिवक्ताओं की एकता डरते हैं क्योंकि पूरे देश में वकील बहुत ज्यादा हैं इसी तरह वकीलों को भी पत्रकारों के पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ इस तरह लड़ना चाहिए जैसे वह अपने लिए लड़ते हैं भारतीय पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम आसरे त्रिवेदी ने कहा यदि हमारे चारों संगठनों के किसी पत्रकार के खिलाफ सोशल मीडिया में कोई अभद्रता हुई तो हम उनकी ईद से एट बजा देंगे उपज के जिला अध्यक्ष अचल शर्मा ने कहा की कभी सही पत्रकार के खिलाफ ना तो फिर होती है ना डिफेमेशन होता है और अगर होता भी है तो वह चुटकियों में खत्म हो जाता है उन्होंने कहा की सोशल मीडिया पर हमारे संगठन के किसी पत्रकार के खिलाफ यदि कोई अवध टिप्पणी हुई तो वह मुंह दिखाने के काबिल समाज में नहीं रह जाएगा इस अवसर पर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के अध्यक्ष नमन आनंद कृष्ण न्यूज के संपादक सिद्धार्थ त्रिपाठी भारत समाचार एक्सप्रेस के संपादक डीडी पांचाल शंकर शुक्ला नीरज प्रजापति शुभ समाचार बृजमोहन निरंजन रेल वाँच दीपू दीपू दुवेदी जागरण झाँसी सुशील कुमार पांडे दैनिक जन-जन स्वराज मुजीब

- » सूचना विभाग पत्रकारों को उगालदान न समझे जिस तरह से पूर्व के वर्षों में पत्रकार गोपनीय बैठक में मौजूद रहकर विकास योजनाओं की और क्राइम की खबरों का कबरेज करते थे, फिर से वही व्यवस्था लागू की जाए
- » नए पत्रकारों के लिए जल्द ही जिले में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा
- » पत्रकार यदि सट्टा जुआ शराब पर दबाव बनाकर ब्लैकमेलिंग करेंगे तो उनके खिलाफ एफ आई आर होगी तो हमारे पत्रकार संगठन उनकी किसी कीमत पर मदद नहीं करेंगे

आलम सम्पादक अपना न्यूज चैनल अनिल कुमार ओझा ब्यूरो चीफ जन जागरण संदेश ध्रुव यादव अब्दुल अजीज कुमार राकेश तिवारी दैनिक समाचार पत्र भरत अवस्थी भी विचार व्यक्त कियेबैठक का शानदार संचालन वशिष्ठ पत्रकार और सोनी न्यूज के संपादक अजय सोनी ने किया

लखनऊ में रानी अवंती बाई की प्रतिमा का अनावरण, राजनाथ सिंह ने दिया अन्याय के खिलाफ खड़े होने का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

राजनाथ सिंह ने वीरांगना अवंती बाई लोधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रविवार को कहा कि उन्होंने (अवंती) लोगों को सिखाया कि अन्याय और दासता के खिलाफ डटकर खड़ा होना हर नागरिक का कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि देशभक्ति और वीरता को किसी जाति, वर्ग या लिंग की सीमा में नहीं बांधा जा सकता। राजनाथ ने कहा कि अवंती बाई ने केवल अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती नहीं दी, बल्कि महिलाओं को कमतर आंकने वाली व्यवस्था को भी चुनौती दी। उनका पूरा जीवन महिला सशक्तीकरण और समानता का जीवंत उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में जिला लोधी क्षत्रिय राजपूत सभा, लखनऊ द्वारा स्थापित वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए

उन्होंने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अवंती बाई लोधी ने जिस साहस के साथ अंग्रेजों का सामना किया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। मातृभूमि के प्रति उनका समर्पण देश कभी नहीं भूल सकता। राजनाथ ने कहा कि बेहद विपरीत परिस्थितियों में अवंती बाई ने अपने राज्य की बागडोर संभाली और सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। जब अंग्रेजों ने छलपूर्वक उनका राज्य हथियाने का प्रयास किया तो उन्होंने झुकने के बजाय हथियार उठा लिए। उन्होंने पड़ोसी राज्यों को संदेश भेजा था कि यदि देश की रक्षा करनी है तो तैयार हो जाओ, अन्यथा चूड़ियां पहन लो। रक्षा मंत्री ने कहा कि वीरांगना अवंती बाई ने आत्मसम्मान से कभी समझौता नहीं करने और अन्याय के सामने नहीं झुकने की प्रेरणा दी तथा उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। राजनाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकारों में महिलाओं को मिल रहे सम्मान का

उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय महिलाओं ने हर युग में अपनी क्षमता साबित की है। सेना, खेल और अन्य सभी क्षेत्रों में महिलाएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। सियाचिन की ऊंचाइयों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक वे देश को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, ' 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने आतंकवाद के खिलाफ अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपनी क्षमता का परिचय दिया। ' ' राजनाथ ने महापुरुषों, विशेष रूप से बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और वीरांगना अवंती बाई लोधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए सरकार उन्हें अवसर, सुरक्षा और सम्मान देने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि अब सैनिक स्कूलों के दरवाजे भी लड़कियों के लिए खोल दिए गए हैं जबकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम

के माध्यम से लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की पहल की जा रही है। रक्षा मंत्री ने दिवंगत मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को नमन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह और योगी आदित्यनाथ के शासन में कोई भी व्यक्ति महिलाओं की ओर गलत नजर उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं से छेड़छाड़ करने वालों के हौसले बुलंद थे, लेकिन योगी सरकार अपनी क्षमता का परिचय दिया। ' ' कर उनके हौसले, ठिकाने और घुटने तक तोड़ दिए हैं। राजनाथ ने वीरांगनाओं के नाम पर महिला पीएसी बटालियन का नाम रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अवंती बाई ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया और अब हमारी जिम्मेदारी है कि उनकी वीरता और बलिदान की गाथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं।

हरियाणा में अब 100 रुपये लीटर मिलेगा दूध, पशुपालकों ने बढ़ाए दाम; तय रेट से कम में बेचने पर लगेगा 5100 का जुर्माना

(यंग भारत न्यूज)

पानीपत/हिसार। प्रदेश के कई जिलों में दुग्ध उत्पादकों ने दूध के दाम 100 रुपये प्रति किलो करने का निर्णय ले लिया है। शनिवार को कुरुक्षेत्र के बारना गांव में कई नियम तय किए गए इसी तरह कैथल और जींद के कुछ गांवों में भी ऐसी मांग उठी। हालांकि, दुग्ध एजेंसियों ने दाम नहीं बढ़ाए हैं। दुग्ध उत्पादकों का तर्क है कि खल-बिनौले, गुड़, तूड़ा और हरे चारे के दामों के अलावा भैंसों के रेट भी बहुत अधिक हो गए हैं।

उनका तर्क है कि दूध के दाम 60 से 80 रुपये तक ही मिल रहे हैं। बैठक में दूध के दाम बढ़ाने और गांव के सभी दूध विक्रेताओं द्वारा इन्होंने दामों पर दूध-घी बेचने पर सहमति जताई। मखन सिंह ने बताया कि बैठक में भैंस का दूध 100 रुपये और गाय का दूध 80 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचे जाने का निर्णय लिया। भैंस का घी 1500 रुपये प्रति किलोग्राम, जबकि गाय का घी 2200 रुपये प्रति किलोग्राम ही बेचा जाएगा। इससे कम दामों पर बेचेगा तो उस पर 5100 रुपये का जुर्माना लगेगा।



कैथल के धनौरी में भी पशुपालकों ने दूध के दाम बढ़ाने पर चर्चा की। भैंस का दूध 100 रुपये प्रति लीटर करने का सामूहिक निर्णय लिया गया है। जींद के सिरसा खेड़ी गांव में कुछ पशुपालकों ने अपने स्तर पर दूध के रेट बढ़ाने का फैसला लिया था। हालांकि गांव में ये फैसला लागू नहीं हुआ। कुछ पशुपालकों के साथ मिलकर भैंसके दूध के रेट 100 रुपया प्रति लीटर करने का फैसला किया था, लेकिन बाकी पशु पालक पहले वाले रेट पर ही दूध बेचते रहे। जिससे उनका फैसला लागू नहीं हो पाया। गांव की सरपंच कविता जाणा। इससे कम दामों पर बेचेगा तो उस पर 5100 रुपये का जुर्माना लगेगा।

चल रहे हैं, उसी के हिसाब से दूध बिक रहा है। हांसी में ग्रामीण पशुपालकों ने गांव स्तर पर अपनी यूनियन बनाकर दूध और घी के दामों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। 15 सितंबर से गाय का दूध 80 रुपये और भैंस का दूध 100 रुपये प्रति लीटर बेचने का निर्णय लिया गया है। वहीं, गांव में फ्री मिलने वाली लस्सी का रेट भी 20 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है। यह मुहिम हांसी क्षेत्र के गांव भैणी अमीरपुर से शुरू हुई है। इसके बाद राजथल और थुराना के पशुपालकों ने भी एकजुट होकर यह निर्णय लिया है। तय रेट से कम पर दूध बेचने वाले पशुपालक पर जुर्माना लगाने की बात भी कही गई है।

बाढ़ में बहकर आ गया बैंक का लॉकर, खोलकर देखा तो मिला खजाना, मच गई लूट लेकिन फिर...

(यंग भारत न्यूज)

नेपाल में आई भीषण आपदा और उफनती नदियों के बीच एक ऐसी हैरतअंगेज घटना सामने आई है. जहां एक तरफ लोग बाढ़ के कहर से अपनी जान बचाने में लगे थे, वहीं दूसरी तरफ तबाही के पानी में बैंक का 'खजाना भरा हुआ लॉकर' बहकर आ गया.इसे देखते ही लोगों की नीयत ऐसी बिगड़ी कि गांव वाले उस पर टूट पड़े. देखते ही देखते उसमें रखा सारा खजाना लूट गया लेकिन लोगों की ये खुशी बहुत समय तक नहीं टिकी. उन्हें इस खजाने से निकले श्राप ने जकड़. ये जकड़ कानून की थी, जिसमें 29 लोग फंसे हैं.ये पूरा माजरा नेपाल के भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के तटीय समय पहले उसकी मुलाकात एक युवक से हुई थी। दोनों में दोस्ती के बाद प्यार हो गया। आरोप है कि युवक ने सेक्टर-52 स्थित एक स्थान पर युवती की मर्जी के खिलाफ उससे शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर शादी का वादा किया। कुछ समय बाद परेशानियों का बहाना बनाकर किस्तों में कुल 15 लाख रुपये ले लिए।



समझ आ गया था कि ये कोई साधारण तिजोरी नहीं है. आपदा के इस माहौल में कानून और व्यवस्था से बेपरवाह होकर कुछ लोगों ने औजारों की मदद से नदी किनारे ही लॉकर को तोड़ डाला.जैसे ही बैंक का लॉकर टूटा, उसमें से नेपाली नोटों की गड़ियां इलाके में बाढ़ के तेज बहाव में एक बैंक की पूरी तिजोरी उखड़कर बह गई. नदी की भयंकर लहरों के साथ बहता हुआ ये भारी लॉकर मीलों दूर जाकर धाड़िंग जिले के पाल्पा गांवपालिका-4 स्थित बेलखुवोला के पास त्रिशूली नदी के किनारे आकर अटक गया. जैसे ही स्थानीय लोगों की नजर नदी के किनारे पड़े इस लोहे के विशालकाय लॉकर पर पड़ी, वहां भीड़ जमा हो गई. लोगों को

मिलते ही धाड़िंग पुलिस की विशेष टीम हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर तफ्तीश शुरू कर दी. धाड़िंग पुलिस ने इलाके में तुरंत सर्च ऑपरेशन चलाया और संदिग्धों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की. पुलिस की इस मुस्तैदी का नतीजा ये हुआ कि लूटी गई रकम का बड़ा हिस्सा बरामद कर लिया गया. पुलिस ने बताया कि पकड़े गए लोगों के पास से कुल 92,68,505 नेपाली रुपये यानी करीब 57 लाख रुपए बरामद किए गए हैं. इस मामले में अब तक 19 साल से लेकर 49 साल की उम्र के कुल 29 लोगों को हिरासत में लिया गया है.पकड़े गए आरोपियों में ज्यादातर लोग गल्ल्ही और सिद्धलेक इलाके के रहने वाले हैं.

गाड़ी की पिछली सीट को बना दिया ओयो; विदाई के बाद बेसब्र हुए दूल्हा-दुल्हन, बहन का भी नहीं किया लिहाज!

विदाई का जो वक्त होता है, वो दुल्हन के लिए काफी कठिन और दुखभरा होता है. लड़की अपने परिवार को छोड़कर नए घर में जा रही होती है. इस वजह से वो डरी-सहमी भी रहती है. मगर दूल्हों के मन का हाल तो शादीशुदा पुरुष ही जानते हैं.

दुल्हे विदाई के कुछ पल भले ही शांत और भावुक महसूस करें, मगर जब अपनी दुल्हन को विदा कर के ले जाते हैं, तो बेहयं खुश और उत्साहित होते हैं. वजह कई होती हैं. पर इन दिनों एक दूल्हा-दुल्हन का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दूल्हा-दुल्हन इतने ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे हैं कि बेसब्र हुए जा रहे हैं. इस वजह से उन्होंने गाड़ी की पिछली सीट को ही ओयो होटल सरीखे बना डाला और अजीबोगरीब हरकतें करने लगे. उन्होंने दूल्हे की बहन का लिहाज भी नहीं किया, जो आगे बैठी है और वीडियो बना रही है. ट्विटर अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें एक दुल्हन की विदाई के बाद दूल्हा उसे अपने साथ गाड़ी से ले जा रहा है. दोनों पिछली सीट पर बैठें हैं, उनके बगल में एक व्यक्ति भी बैठा है. आगे की सीट पर दूल्हे की कोई रिश्तेदार बैठी है, जो उसकी बहन लग रही है और बगल में झुड़वर है. तभी दूल्हा-दुल्हन अजीब हरकतें करने लगे, जिसे देखकर आपको भी जरूर असहजता होगी. बहन, दूल्हा-दुल्हन का वीडियो भी बना रही है, पर दोनों पर उसका भी कोई असर नहीं हो रहा है, दोनों आपस में लगे हुए हैं, कैमरे में देख भी रहे हैं, उसके बावजूद रुकने को नहीं तैयार हैं. उनके बगल में बैठा व्यक्ति कैमरे के सामने चेहरा भी नहीं दिखा रहा है. वीडियो के आखिर में दूल्हा, दुल्हन के गले में हाथ डालकर बैठा नजर आ रहा है. इस वीडियो को 8 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक ने कहा- ' बेशर्मी की भी हद होती है, शर्म-हया है भी कि नहीं!' एक ने कहा- 'सब्र नहीं हो रहा भैया से!' एक ने कहा- ' अरे रुक जाओ भाई पहले घर तो पहुंच जाओ या फिर स्वागतार भी यहीं मनाओगे!' एक यूजर ने कहा- ' शायद भरोसा नहीं है, घर पहुंचने से पहले ही ऋक्ष के साथ भाग गई तो! '



जबरदस्ती कपड़े उतरवाए और हमारे साथ.', प्रेमी संग रंगे हाथ पकड़ी गई अभिलाषा का सामने आया बयान; पलटकर रख दिया पूरा मामला

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के झांसी में चिरगांव पुलिस स्टेशन इलाके में एक महिला और उसके कथित प्रेमी से जुड़े मामले में लगातार बड़े-बड़े खुलासे होते जा रहे हैं. बता दें कि आरोप है कि पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद उन दोनों की शादी करवा दी.

वहीं इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. हालांकि, शादी करवाने के बावजूद, पति का कहना है कि उसकी पत्नी और उसके प्रेमी, दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए. उसका दावा है कि उसके पास दोनों के बीच हुई बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग है और उसका आरोप है कि घर से गहने गायब हो गए हैं. वहीं अब पत्नी का एक ऐसा बयान सामने आया है जिसने सबको चौंका दिया है. महिला का नाम अभिलाषा है और उसने अब इन सबका जिम्मेदार अपनेन बाॅयफ्रेंड को ठहरा दिया है. वायरल वीडियो में महिला कहती दिख रही है कि, ' उस दिन घर पर कोई नहीं था और अचानक उसके बाॅयफ्रेंड का कॉल आ गया. और उसने कॉल पर कहा कि हम तुम्हारे घर आ रहे हैं, जिसके बाद वो आकर हमसे जोर जबरदस्ती करने लगा. ' महिला ने सीधा सीधा अपने बाॅयफ्रेंड पर बलात्कार का आरोप लगा दिया. महिला ने कहा कि ' वो आकर हमारा बलात्कार करने लगा और कहने लगा कि कपड़े उतारो वरना हम तुम्हारे घर जाकर तुम्हारे भाई की हत्या कर देंगे. महिला ने आगे बताया कि अचानक कमरे में उसका जेट आ गया और जब उसने जेट को ये सब बताया तो वो अपनी भाभी को हु गलत कहने लगा. इतना ही नहीं महिला ने कहा कि उसे उसके जेट ने बिना कपड़ों के ही मारना शुरू कर दिया. महिला ने बताया कि कुछ समय बाद कमरे में उसके पति आ गए और पति ने भी महिला को मारा. महिला ने बताया कि इसी हालत में उसकी वीडियो बनाई गई और उससे जबरदस्ती एक झूठा बयान भी बनवाया गया. जिसके बाद मीडिया ने आकर उसके कपड़े दिलवाए. महिला का कहना है कि उसका पूरे ससुराल ने शोषण किया है. इतना ही नहीं, जब महिला से पूछा गया कि उसने क्या अपने पति को नींद की गोलिएयां खिलाई हैं तो इस पर लड़की का कहना है कि उसने कोई गोली नहीं दी और वो अब अपने पति और उसके परिवार का डीएनए टेस्ट भी करवाना चाहती है. वायरल वीडियो में महिला न्याय दिलवाने की मांग कर रही है.



पति नपुंसक था तो तुम्हें शादी से पहले चेक करना चाहिए', बाराबंकी महिला थाने में थानाध्यक्ष पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

बाराबंकी: बाराबंकी में पति-पत्नी के बीच विवाद का मामला सुलझाने के लिए महिला थाने पहुंची एक महिला ने महिला थानाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौते की बातचीत के दौरान महिला थानाध्यक्ष रत्ना कुमारी ने उससे कथित तौर पर कहा कि 'तुम्हारा पति यदि नपुंसक था तो तुम्हें शादी से पहले चेक करना चाहिए था।' महिला में एसपी को प्रार्थना पत्र देकर थानाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

महिला ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि थाने में उसके साथ इस तरह की टिप्पणी किए जाने से उसे

मानसिक और भावनात्मक ठेस पहुंची। मामले को लेकर महिला ने पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत कर महिला थानाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने मामले की जांच सीओ सिटी संगम कुमार को सौंपी है। देवा शरीफ कस्बा निवासी मोहम्मद समी की बेटी रूबीना की शादी 10 मई को लखनऊ के चिनहट निवासी मेराज पुत्र मोहम्मद उमर के साथ हुई थी। रूबीना का आरोप है कि शादी के बाद वह करीब आठ दिन ससुराल में रही, लेकिन पति ने उसके साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए। महिला के मुताबिक, बाद में पति के नपुंसक होने की बात सामने आई।

महिला का कहना है कि उसने पति पर इलाज कराने का दबाव बनाया, लेकिन पति ने शर्म की बात बताते हुए इलाज कराने से इनकार कर दिया। रूबीना ने आरोप लगाया कि इस विवाद के बीच उसकी ननद मैशरजहां, कमर जहां और किश्वर जहां के अलावा बहनोई सईद अहमद उर्फ अटाई, जेट, जेठानी समेत अन्य ससुरालीजन उसे प्रताड़ित करने लगे। महिला ने ससुराल पक्ष पर धोखे में रख कर शादी कराने और देहेज में दिए गए जेवर और दो लाख रुपये हड़पने का भी आरोप लगाया है। उसका कहना है कि पति के नपुंसक होने की जानकारी शादी से पहले उससे छिपाई गई। महिला के अनुसार,



उसने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ देवा थाने में शिकायत की थी। आरोप है कि पुलिस ने इसे पारिवारिक विवाद बताते हुए कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद महिला ने मामले को सुलह-समझौते के जरिए

कार्रवाई के लिए महिला थाने को निर्देशित किया। इसके बाद दोनों पक्षों को सुलह-समझौते के लिए 1 अगस्त को महिला थाने बुलाया गया। महिला का आरोप है कि 1 अगस्त को महिला थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही थी। इसी दौरान महिला थानाध्यक्ष रत्ना कुमारी ने उससे कथित तौर पर कहा- 'तुम्हारा पति यदि नपुंसक था, तो तुमको शादी से पहले चेक करना था। तुमको चेक करके ही शादी करना था कि हमारा पति नपुंसक तो नहीं है।' महिला ने बताया कि महिलाओं की सुनवाई के लिए एक थाने में एक जिम्मेदार अधिकारी की ओर से इस तरह की टिप्पणी से काफी मानसिक ठेस पहुंची। रूबीना ने

अपनी शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों को कुर्सी पर बैठाया गया, जबकि उसे खड़ा रखा गया। महिला का कहना है कि इस व्यवहार से भी उसे काफी अपमानित महसूस हुआ। महिला ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में महिला थानाध्यक्ष रत्ना कुमारी के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच सीओ सिटी संगम कुमार को सौंपी है। फिलहाल जांच के बाद ही थानाध्यक्ष पर महिला के लगाए आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

सड़क पर अचानक आया आवारा पशु, बाइक सवार किसान की दर्दनाक मौत

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। गोहन थाना क्षेत्र के ग्राम रहावली निवासी 38 वर्षीय किसान पिंटू सेंगर की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वह बाइक से गोहन से अपने गांव रहावली लौट रहे थे। सहवाजपुर के पास अचानक सड़क पर आए आवारा पशु से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पिंटू सेंगर बाइक समेत सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।
हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने सड़क पर घायल अवस्था में पड़े किसान को देखा तो तत्काल उनकी मदद के लिए पहुंचे। लोगों ने उन्हें उठाकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधौगढ पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने किसान का परीक्षण किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। चिकित्सकों ने पिंटू सेंगर को मृत घोषित कर दिया। किसान की मौत की खबर जैसे ही परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। अचानक हुई इस



मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में भी घटना की जानकारी फैलते ही शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि पिंटू सेंगर खेती-किसानी का काम करते थे और इसी के उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। चिकित्सकों ने पिंटू सेंगर को मृत घोषित कर दिया। किसान की मौत की खबर जैसे ही परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। अचानक हुई इस

जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने भी मामले की जानकारी जुटाई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद एक बार फिर सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र की सड़कों पर बड़ी संख्या में आवारा पशु घूमते रहते हैं। कई बार ये पशु अचानक सड़क के बीच में आ जाते हैं, जिससे वाहन चालकों को संभलने का मौका तक नहीं मिलता। विशेषकर रात के समय सड़क पर बैठे या घूम रहे पशु दिखाई नहीं देने के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक, कई स्थानों पर सड़क किनारे और आसपास के इलाकों में आवारा पशुओं का जमावड़ा बना रहता

है। वाहन चालक जब अचानक सामने आए पशुओं से बचने की कोशिश करते हैं तो बाइक या अन्य वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे कई बार गंभीर हादसे हो चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी अभियान चलाया जाए। पशुओं को सुरक्षित स्थानों या गोशालाओं में पहुंचाने की व्यवस्था की जाए, ताकि सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि केवल हादसे के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को पहले से ही इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कदम उठाने चाहिए। सड़क पर आवारा पशुओं की मौजूदगी वाहन चालकों के साथ-साथ स्वयं पशुओं के लिए भी खतरा बनी हुई है। पिंटू सेंगर की मौत ने एक परिवार से उसका सहारा छीन लिया है। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है और परिजन इस दुखद घटना से सदमे में हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक किसान के परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या पर गंभीरता से कार्रवाई करने की मांग की है।

कजली मेले में सजा दंगल, पहलवानों ने आजमाए दांव-पेंच



(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। बुंदेलखंड की लोकपरंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े कजली महोत्सव के अवसर पर ग्राम मटरा में पारंपरिक दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में क्षेत्र के नामी पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर अपने दांव-पेंच आजमाए। कुश्ती देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी और दर्शकों ने तालियां बजाकर पहलवानों का उत्साहवर्धन किया।
दंगल की सबसे रोमांचक कुश्ती छोटू पहलवान मटरा और कल्लू पहलवान कीरतपुर के बीच हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश बाबू श्रीवास्तव ने दोनों पहलवानों को अखाड़े में मिलवाकर मुकाबले का शुभारंभ कराया। दोनों पहलवानों ने एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए कई दांव-पेंच आजमाए, लेकिन निर्धारित समय तक कोई भी निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर सका। अंततः मुकाबला बराबरी पर छूटा। इसके अलावा गंभीर सिंह यादव और छोटू द्विवेदी के बीच हुई कुश्ती भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रही। दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। दंगल में ग्राम प्रधान बालकदास अहिरवार, पूर्व प्रधान लक्ष्मण शरण द्विवेदी, जयसिंह यादव, किशोरलाल, रामाधार द्विवेदी, अशफ़ीलाल सविता, श्रीकांत द्विवेदी, नारायण दास द्विवेदी, गफूर अहमद, काशीराम अहिरवार, डॉ. रघुनाथ रेड्डी, ई. सतीश श्रीवास्तव, गणेश प्रसाद शुक्ल, बड़े लाला सक्सेना, प्रवीण श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव, दीनदयाल प्रसापति, सुख सागर सविता, श्रीबाबू सविता, रामसेवक अहिरवार, चन्द्रभान अहिरवार, पहलवान संतराम यादव, माधव यादव तथा लालता प्रसाद यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

स्वगीये श्रवण कुमार द्विवेदी की दूसरी पुण्य जयाती के उपलक्ष्य मे पत्रकार समान समारोह

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। तहसील माधौगढ ब्लॉक नदीगांव के अंतर्गत गणेश नगर गड्डना मे परशुराम इण्टर कॉलेज सयोजक धीरज कुमार द्विवेदी ने समस्त पत्रकारों का सम्मान किया इस कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार जालौन उरई कोच कालपी माधौगढ रामपुरा जगम्मानपुर इंटो से आये हुये पत्रकारो का फूल माला शौल्ड देकर सम्मानित किया सयोजक धीरज कुमार द्विवेदी 2 वर्षो से श्रवण कुमार द्विवेदी की पुण्यतिथि के अवसर पर बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाते आ रहे समस्त पत्रकारों को बुलाकर सम्मान समारोह कार्यक्रम रखते हैं जिसमें दूर-दूर से पत्रकार पुष्पांजलि देते हे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण कुमार द्विवेदी जो हमारे बीच नही रहे उनकी प्रेरणा हम सभी के दिलों में बसी है उनकी पथ चिन्तो पर चलने कि कोशिश करेगे स्वर्गीय श्रवण कुमार द्विवेदी की जयंती के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार केपी सिंह दीपक अग्निहोत्री अरविंद कुमार द्विवेदी रामनरेश द्विवेदी सुधीर पाठक प्रिंस द्विवेदी ओमप्रकाश राठौर रामआसरे विनोद मिश्रा समस्त वारिष्ठ पत्रकार साथी एवं समस्त ग्रामीण पत्रकार साथीयो व क्षेत्रीय पत्रकार जिला स्तरीय पत्रकार एवं परिजन मौजूद रहे।

राखी बंधवाकर लौट रहे बाइक सवार हादसे का शिकार, दो बाइकों की भिड़ंत में तीन घायल

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। रक्षाबंधन के अवसर पर मामा के घर से राखी बंधवाकर लौट रहे बाइक सवार हादसे का शिकार हो गए। ग्राम पचीपुरी के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग घायल हो गए।
जानकारी के अनुसार, कोंच निवासी 26 वर्षीय अनमोल पुत्र रविन्द्र कुमार और मिर्जौना थाना माधौगढ़ निवासी मनमोहन पुत्र दशरथ रक्षाबंधन पर अपने मामा के घर राखी बंधवाने गए थे। कार्यक्रम के बाद दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम पचीपुरी के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर गैदौली निवासी 30 वर्षीय दिनकर पुत्र मानसिंह सवार था। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने तीनों का उपचार शुरू किया। हादसे के बाद परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। घटना से कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

उरई कोतवाली पुलिस ने जुएं के फड़पर माराछापा, 9 जुआरी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। कोतवाली पुलिस ने जुएं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुएं के फड़ पर छापेमारी की। पुलिस की कार्रवाई से मौके पर मौजूद जुआरियों में हड़कंप मच गया। टीम ने मौके से 9 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे और जुएं के फड़ से कुल 1 लाख 62 हजार रुपये की नकदी बरामद की गई है। पुलिस सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई में जुटी है। कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध जुएं के कारोबार में शामिल लोगों में भी खलबली मची हुई है। पुलिस का कहना है कि अवैध जुआ और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।



माधौगढ व ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहिन केअटूट प्रेम व विश्वास का प्रतीक रक्षा बन्धन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

(यंग भारत न्यूज)
माधौगढ़ (जालौन) माधौगढ नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक 'रक्षाबंधन' का त्योहार अत्यधिक उल्लास, उमंग और वैदिक परंपराओं के साथ संपन्न हुआ।
सावन मास की पूर्णिमा तिथि पर आयोजित इस पावन पर्व पर हर घर में उत्सव जैसा माहौल नजर आया। दूर-दराज के शहरों से सफर तय करके पहुंची बहनों ने अपने भाइयों के सिर पर अक्षत लगाकर, माथे पर रोली-चंदन का तिलक किया और दाहिनी कलाई पर प्रेम रूपी रक्षा सूत्र बांधा। इसके साथ ही बहनों ने ईश्वर से अपने भाइयों के आरोग्य, लंबी आयु, सुख और निरंतर समृद्धि की प्रार्थना की। वहीं, भाइयों ने भी बहनों के चरणों को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, जीवनभर उनकी रक्षा और सम्मान का संकल्प दोहराया तथा अपनी सामर्थ्य अनुसार मनपसंद उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन केवल एक भौतिक त्योहार नहीं है, बल्कि इसका इतिहास अत्यंत प्राचीन है और सनातन पुराणों व इतिहास के पन्नों में इसके सामाजिक व आध्यात्मिक महत्व के कई सुंदर आख्यान मिलते हैं। माता लक्ष्मी और राजा बलि: वामन अवतार के समय जब भगवान विष्णु राजा बलि के दान और वचनबद्धता से प्रसन्न होकर पाताल लोक



में ही निवास करने लगे, तब देवी लक्ष्मी परेशान हो गई। माता लक्ष्मी ने पाताल लोक जाकर राजा बलि की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उन्हें अपना भाई बनाया। उपहार के रूप में उन्होंने बलि से भगवान विष्णु की मांग लिया, जिससे नारायण पुनः वैकुंठ लौटे। श्री कृष्ण और

द्रौपदी: महाभारत काल में जब भगवान श्री कृष्ण की उंगली से रक्त बहने लगा, तो द्रौपदी ने बिना पल गंवाए अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनकी उंगली पर बांध दिया था। श्री कृष्ण ने इस कपड़े के एक धागे का ऋण चुकाते हुए भरे दरबार में चीरहरण के समय द्रौपदी की लाज बचाकर अपना भ्रातृ-धर्म निभाया था। यमराज को उनकी बहन यमुना ने रक्षा सूत्र बांधकर अमरता और स्नेह का आशीर्वाद दिया था, जिसके बाद से यह परंपरा आज तक निर्बाध रूप से चली आ रही है। त्योहार की सामाजिक समरसता
माधौगढ़ क्षेत्र में सुबह से ही बाजारों में रोली, अक्षत, मिठाई और रंग-बिरंगी राखियों की दुकानों पर चहल-पहल बनी रही। दिनभर बहनों का अपने मायके पहुंचने और भाइयों का बहनों के घर जाने का

सिलसिला जारी रहा। आधुनिकता के इस दौर में भी इस त्योहार ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों, आत्मीयता और पवित्रता को पूरी तरह बनाए रखा है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी ने इस पावन पर्व को पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक मनाया।

नागरिकों ने सुना प्रधानमंत्री की ‘मन की बात’ का 137वां संस्करण

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। रविवार को भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण को क्षेत्रीय लोगों के द्वारा कालपी नगर में जगह जगह उत्साहपूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन को लोगों ने प्रेरणादायक और मार्गदर्शक बताया। प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनने के बाद नागरिकों ने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से देशवासियों को विभिन्न सामाजिक, राष्ट्रहित एवं जनकल्याणकारी विषयों पर मार्गदर्शन मिलता है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव, सदर बाजार शक्ति केंद्र प्रभारी सभासद प्रतिनिधि धर्मेन्द्र सिंह पाल, सभासद रविंद्र वर्मा, सभासद राकेश तथा सभासद प्रतिनिधि आशु बाबा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। 220 कालपी विधानसभा क्षेत्र के पुर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन तथा उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और कार्यक्रम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कुआंखेड़ा में भी हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। कदौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत कुआंखेड़ा में रक्षाबंधन का पारंपरिक एवं ऐतिहासिक पर्व हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख-समृद्धि की कामना की। बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य अकबरपुर-इटौरा अतर सिंह पाल ने अपने निज निवास पर बहनों से राखी बंधवाई तथा झुला झूलकर पारंपरिक पर्व का आनंद लिया।
इस दौरान गांव में बुंदेलखंड की लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। बच्चों ने कुश्ती में अपने दांव-पेंच आजमाए। ग्रामीणों ने कहा कि कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है तथा शरीर स्वस्थ और फुर्तीला रहता है। रक्षाबंधन के अवसर पर ग्रामीणों ने एक-दूसरे के घर जाकर कजली दी और आत्मीयता के साथ मुलाकात की। इस दौरान आपसी गिले-शिकवे दूर कर भाईचारे और सौहार्द को मजबूत करने का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि बुंदेलखंड के पारंपरिक त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। इन्हें प्रेम, शालीनता और मधुरता के साथ मनाने से सामाजिक एकता और आपसी भाईचारा मजबूत होता है।

मेमू ट्रेन में महिला यात्री के बैग से जेवरात व नकदी चोरी

(यंग भारत न्यूज)
उरई। कानपुर से झांसी जा रही मेमू ट्रेन में रविवार सुबह एक महिला यात्री के बैग से अज्ञात चोर ने जेवरात और नकदी पार कर दी। घटना आटा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में सवार होने के दौरान हुई। बैग से सामान गायब मिलने पर महिला ने तत्काल स्टेशन अधीक्षक को सूचना दी, जिसके बाद जीआरपी और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।
जानकारी के अनुसार, झांसी निवासी आकांक्षा चंशोलिया, पत्नी अंकित मिश्रा, रक्षाबंधन पर्व पर मायके ग्राम पिपरायां आई थीं। रविवार सुबह वह मायके से झांसी स्थित ससुराल लौट रही थीं। करीब 11 बजे आटा रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद उन्होंने कानपुर से झांसी की ओर जा रही मेमू ट्रेन पकड़ी। ट्रेन में बैठने के बाद आकांक्षा ने अपना बैग देखा तो उसमें रखा सामान गायब था। चोरी गए सामान में सोने का एक हार, चार चूड़ियां, कान की झुमकी और करीब पांच हजार रुपये नकद शामिल बताए गए हैं। महिला की सूचना पर स्टेशन अधीक्षक ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने स्टेशन परिसर तथा प्लेटफॉर्म पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस को आशंका है कि ट्रेन में चढ़ने के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी शातिर चोर ने बैग से आभूषण और नकदी निकाल ली। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है और संदिग्धों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य सुरागों की मदद ली जा रही है। फिलहाल चोरी गए आभूषण और नकदी बरामद नहीं हो सके हैं।

यमुना तट पर कजली मेले में शामिल भक्तों ने नरसिंह भगवान के किए दर्शन

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। यमुना नदी के किनारे स्थित नगर के पीला घाट मोहल्ला महमूदपुरा में परम्परागत आयोजित कजली मेले में महिलाओं तथा भक्तों ने श्रद्धापूर्वक हिस्सा लिया। नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव व सभासदों ने अपने साथियों के साथ शामिल हो कर प्राचीन नरसिंह टीला मंदिर पहुंचकर नरसिंह भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।
स्थानीय नगर के यमुना नदी के तट में आयोजित मेले में भक्तों की भारी भीड़ रही। कजली मेले का आयोजन प्रतिवर्ष रक्षाबंधन के बाद किया जाता है। मेले के दौरान यमुना नदी में महिलाओं द्वारा कजलियों (भुजूरियों) के विसर्जन की परंपरा भी निभाई गई। पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव के मुताबिक मेला बुंदेलखंड की वीरता और गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है। कजली मेला केवल धार्मिक अथवा ऐतिहासिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का भी प्रतीक है। इसमें विभिन्न वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल होते हैं।



विशेष: जन्माष्टमी, 4 सितंबर

हमारे आराध्य-पथप्रदर्शक पूर्णावतार श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, एक स्मरण है कि कन्हैया की हर लीला, हर प्रसंग हमें आचरण के वो पाठ सिखाते हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके युग में थे। यही कजह है कि युगों बाद भी पूर्णावतार श्रीकृष्ण हमारे लिए आराध्य भगवान ही नहीं, शिक्षक की तरह जीवन के पथप्रदर्शक भी बने हुए हैं।

आचरण कथा

राजिनी रामारण्यन

भगवान श्रीकृष्ण को हम पूजते हैं, यह सत्य है। मंदिरों में उनकी प्रतिमा सजती है, जन्माष्टमी पर घर-घर दीप जलते हैं और भजन में उनका नाम गुंजता है। पर यदि कृष्ण केवल पूजा तक सीमित रह जायें, तो शायद हमने उन्हें आधा ही जाना। उनका अवतारी जीवन कोई कथा-मात्र नहीं, बल्कि ऐसा दर्पण है, जिसमें झाँककर हम अपने आचरण को तलाश सकते हैं। वे केवल आराध्य नहीं, आचार्य स्रष्टा पथप्रदर्शक भी हैं। आज की दुनिया में हमारे सामने कुरुक्षेत्र जैसा कोई युद्ध नहीं है, फिर भी हमारे भीतर न जाने कितने युद्ध चल रहे हैं। रिश्तों में अविश्वास है, सफलता की होड़ है, अकेलापन है, विफल होने का डर है और हर समय दूसरों से अपनी तुलना करते रहने की ब्रेचनी है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण को केवल मंदिर में पूजने की नहीं, उनके गुणों को आत्मसात करने की भी जरूरत है।

सखी मित्रता की मिसाल: सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता आज भी मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण है। एक ओर झरिक्छोरा, दूसरी ओर अभाव में जीवन बिताता उनका बालसखा। जब सुदामा संकोच में लिपटे, साधारण वस्त्र पहने और मुट्ठी भर चिवड़ा लेकर द्वारका पहुंचे, तो श्रीकृष्ण ने अपने मित्र को राजसी औपचारिकताओं के पीछे नहीं लिपने दिया। वे आगे बढ़े, उन्हें गले लगाया और उनके लार छीटें-से उपहार को उसी प्रेम से स्वीकार किया, जैसे वह कोई अनमोल भेंट हो। न खर्च धन का भेद था, न पद का अहंकार। सच्ची मित्रता समय और परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। वह यह नहीं पूछती कि आज तुम कितने सफल हो, बल्कि वह याद रखती है कि तुम कभी मेरे अपने थे। आज जब दोस्ती भी कई बार सुविधा, शिस्त और समाजिक दावरे से तय होती है, श्रीकृष्ण का जीवन एक सवाल करता है कि क्या हमारे पास ऐसा मित्र है, जिसके सामने हमें अपनी सफलता सवित करने की जरूरत नहीं पड़ती? और क्या हम किसी के लिए ऐसे मित्र हैं?

मित्रता का दूसरा रूप भी: अर्जुन के साथ श्रीकृष्ण की मित्रता इसका दूसरा रूप दिखाती है। यहां वह मित्र भी हैं, सारथी भी और अपनी भूमिका की अहंकार से ऊपर रहने का उदाहरण भी। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बहुत आसानी से खला आता है। पद बढ़ता है तो व्यवहार बदल जाता है, कलाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उलट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भर था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मधुरा छोड़कर द्वारका बसने पड़ी और अंततः अपने ही वंश के

मार्गदर्शक भी। कुरुक्षेत्र में अर्जुन मोह और दुविधा से घिर गए। श्रीकृष्ण ने उनके जगह निर्णय नहीं लिया। उन्होंने उनके भीतर के भ्रम को समझा, प्रश्नों का उत्तर दिया और अंततः निर्णय लेने की शक्ति अर्जुन के भीतर ही जगाई। आज के जीवन में भी सच्चा मित्र वही है, जो केवल हमारे हाँ में हाँ न मिलाए। जब हम प्रमित हों, तब सही बात कहने का सहज रखे और फिर निर्णय लेने की स्वतंत्रता भी हमें दे।

स्वी सम्मान के रक्षक: द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत का सबसे पीड़ादायक प्रसंग है। भरी सभा में जब उसकी गरिमा पर आपात हुआ और वह अस्वभाव्य होकर सहस्रता की पुकार करती रही, तब श्रीकृष्ण उसके भरोसे का केंद्र बने। पर इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख केवल चमत्कार में नहीं, उस प्रश्न में है जो हमसे पूछता है कि जब किसी स्त्री के सम्मान पर अंध आह, तब हम कहां खड़े होते हैं?

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जल्दतर के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे

व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ सहस्री होना भी सिखाता है।

समर्थ होकर भी विनम्र: श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के साथी बने। एक योद्धा का साथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि

अपनी भूमिका की अहंकार से ऊपर रहने का उदाहरण भी। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बहुत आसानी से खला आता है। पद बढ़ता है तो व्यवहार बदल जाता है, कलाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उलट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भर था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मधुरा छोड़कर द्वारका बसने पड़ी और अंततः अपने ही वंश के



विनाश का साथी बनना पड़ा। फिर भी उनके व्यक्तित्व में एक अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। उनकी मुस्कान समस्याओं से अनजान व्यक्ति की मुस्कान नहीं थी। वह उस व्यक्ति की मुस्कान थी, जो जानता था कि परिस्थितियाँ हमेशा उसके मन के अनुसार नहीं चलेंगी, फिर भी वह अपना कर्तव्य निभाता रहेगा। गीता में श्रीकृष्ण-अर्जुन को सुख-दुःख, लाभ-हानि और जय-पराजय में संतुलित रहने की बात कहते हैं। वह केवल उपदेश नहीं था। उन्होंने स्वयं अपने जीवन में परिस्थितियों के बीच संतुलन साधा। आज जब एक विफलता से हमें अपना पूरा जीवन निरर्थक लगने लगता है, तब श्रीकृष्ण का यह पाठ बेहद प्रसंगिक हो जाता है कि जीवन में जब सब कुछ अपने अनुसार न हो, तब भी अपना संतुलन बनाए रखना चाहिए।

श्रीकृष्ण का लौकिक जीवन हमीनए कालजयी है, क्योंकि वह हमें केवल वह नहीं बताता कि ईश्वर कैसा हो सकता है, बल्कि वह भी सिखाता है कि मनुष्य भीतर से कितना बेहतर मनुष्य बनने की क्षमता रखता है।

विशेष: शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

गले ही आज दुनिया भर के हर विषय की जानकारी गूगल और एआई के जरिए एक पलक पर उपलब्ध है। लेकिन बेहतर मनुष्य बनने के लिए जरूरी सैद्धांतिक, नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान शिक्षक ही हने दे सकता है। तकनीकी क्रांति के दौर में भी शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है।



गुरुकुल से गूगल-एआई तक बरकरार है शिक्षक की महत्ता

हदलात / लोकगीत नीलान

एक समय था, जब ज्ञान प्राप्त करने का अर्थ किसी गुरु के साम्निध्य में बैठकर जीवन को समझना होता था। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती थी बल्कि वह संस्कार, अनुशासन, विवेक और चरित्रनिर्माण का माध्यम भी थी। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा स्थान दिया गया है, क्योंकि वह अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है। लेकिन ये सब पुराने बातें हैं। आज 21वीं सदी में दुनिया बदल चुकी है। ज्ञान हमारी हथेली पर मौजूद है। मोबाइल फोन में समा गया है। गूगल के माध्यम से हम मिनटों में ही सैकड़ों सवाल के उत्तर दे सकते हैं और अब तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदौलत दुनिया के जटिल से जटिल सवाल का भी सेकेंडों में उत्तर प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठाना स्वाभाविक है कि क्या तकनीक के इस युग में गुरु यानी शिक्षक की भूमिका बदल गई है या फिर उसका महत्व पहले से आधिक बढ़ गया है?

ज्ञान कम-जानकारियाँ बेशुमार: वास्तव में आज तकनीक ने ज्ञान तक हमारी पहुंच बेहद आसान कर दी है। पहले किसी विषय को समझने के लिए पुस्तकालयों की धूलभरी अलमरियां खंगालनी पड़ती थीं। जबकि आज दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के ऑनलाइन व्याख्यान, शोधपत्र और पाठ्यक्रम महज कुछ क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं। आज हम किसी भी विषय पर वीडियो देख सकते हैं, चाहे छत्र हो या न हो। वास्तव में इस परिवर्तन ने शिक्षा को बेहद लोकतांत्रिक बनाया है। अब गुप्ततापूर्ण जानकारी केवल बड़े सहरो या प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित नहीं है। लेकिन एक महत्वपूर्ण अंतर भी पैदा हुआ है। आज जानकारी और ज्ञान एक-दूसरे के पर्याय नहीं रहे। जानकारीयाँ सिर्फ तथ्यों का संग्रह हैं, जबकि ज्ञान उन तथ्यों को सही संदर्भ में समझने और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करने का माध्यम है। गूगल यह बताता है कि कोई निर्णय कैसे लिया जा सकता है? एआई वानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे सामने किसी विषय का सार प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन वह हमें जीवन के अनुभव, संवेदना और

मानवीय मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा का सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। महर्षि केंद्रेवास, आचार्य चाणक्य, गुरु केशिड, गुरु द्रोणाचार्य से लेकर आधुनिक काल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे अनेक शिक्षकों ने शिक्षे ज्ञान भर नहीं दिया बल्कि अपने शिष्यों में दृष्टि, आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व का भाव भी विकसित किया है, जो किसी भी मशीन या सॉफ्टवेयर के बस में नहीं है।

बदल गई शिक्षक की भूमिका: आज के समय में शिक्षक की भूमिका काफी हद तक बदल गई है, लेकिन समाप्त नहीं हुई। पहले शिक्षक ज्ञान का मुख्य स्रोत होता था, अब वह सिर्फ ज्ञान का मार्गदर्शक बनता जा रहा है। पहले छात्र उत्तर जानने के लिए शिक्षक पर निर्भर थे, आज वह काम तो इंटरनेट भी कर देता है। लेकिन सही उत्तर की पहचान करना, उसकी विश्वसनीयता को परखना,

विभिन्न विचारों की तुलना करना और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करना, अभी भी यह सब भूमिका शिक्षक के पास ही है। आज शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्वतंत्र सोच विकसित करने की क्षमता भी पैदा करना है।

और महत्वपूर्ण हो गई भूमिका: वास्तव में एआई या कोई भी तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो, लेकिन है तो एक तकनीक ही। यह शिक्षक को स्थानापन्न नहीं कर पाएगी। एआई के बावजूद शिक्षक का काम रचनात्मक उपयोग, पहले से कहीं ज्यादा जरूरी बना रहेगा। एआई के बावजूद शिक्षक का काम शिक्षा को अधिक रोचक बनाना बना रहेगा और एआई के बावजूद शिक्षक व्यक्तिगत और प्रभावी बना रहेगा, यानी एआई हर किसी को एक जैसी सहूलियत नहीं दे सकता। जो एआई के उपयोग में माहिर नहीं है, उन्हें

अर्ध-नौ ज्ञान, जानकारी और विश्लेषण के लिए शिक्षक की तरफ ही देखना होगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर हमें यह भी समझना चाहिए कि गुरु का काम केवल सूचना देना भर नहीं होता। वह जीवन को दिशा देता है।

लघुकथाएं

जीवन सारथी



तुम्हारा जीवनसाथी नहीं जीवन सारथी बन जाएगा। अब डिसाइड तुमको करना है कि तुम्हें जीवनसाथी चाहिए या जीवन सारथी।' दिव्या ने स्पष्ट तौर पर उसे समझाया। उसकी इस समझाइश से पायल की आंखों में दृढ़ निर्णय लेने की चमक साफ नजर आने लगी।

-आरती आस्थ्या

से लोगों की मुश्किल आसान बनाता है। आपका काम देख रहा हूँ। इतनी सफाई और लगन से कम ही लोग करते हैं।' कारीगर ने उसकी ओर गौर से देखा। चेहरे पर जमी संकोच की परत धीरे-धीरे पिघलने लगी। उसने पूरी तन्मयता से टायर का पंक्चर ठीक कर दिया। राहुल इस बीच उसकी सधी हुई अंगुलियों और उसके काम की बार-बार तारीफ करता रहा। बाइक में टायर फिट होने पर पैमेंट दाखते हुए राहुल ने उसके कंधे पर हथ फेरते हुए कहा, 'मानना पड़ेगा कि कमाल का काम है तुम्हारा।' कारीगर की आंखों में अब चमक थी। पैसे लेते हुए वह मुस्कराया और बोला, 'भैया, अगली बार बाइक में कोई समस्या हो तो अपने इस हैंडसम हीरो के पास ही आना।' राहुल ने देखा, उस क्षण कारीगर की आंखों में शिकायत नहीं, उसका आत्मविश्वास चमचमा रहा था।

मेरे पास जड़ें/जितनी पैरों के नाखून में फंसी मिट्टी।' (नाखून में फंसी मिट्टी) जैसी पंक्तियाँ में महसूस किया जा सकता है। किसानों की मनोव्यथा को इस पंक्ति में देखा जा सकता है, 'वह किसी मुलायम मिट्टी जितना भुरभुरा है/इस तरह कि हूने से टूट जाए' (इन दिनों किसान)। इसी तरह 'स्त्री का दुख' कविता की ये पंक्तियाँ हमें स्त्री जीवन की उस मर्मांतक पीड़ा की अनुभूति कराती हैं, जिसे प्रायः पुरुषों के द्वारा उपेक्षित ही किया जाता रहा है, 'कुछ दुख होते ही हैं ऐसे/जिसे कहा नहीं जाता/जुबान लाचार हो जाती है।' संग्रह की अधिकांश कविताएँ हमारे समय की कुरूप छवियों को पूरी संवेदना के साथ सामने रखती हैं।

किताब: नाखून में फंसी मिट्टी (कविता संग्रह), रचनाकार: शंकरानंद, मूल्य: 325 रुपए, प्रकाशक: सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान गूष्णा

निष्करुण समय में

हम जिस समय-समाज में जी रहे हैं, वह एक बड़े वर्ग के लिए बहुत निर्मम और निष्करुण है। संतोष की बात है कि हाशिए पर निरंतर धकेले जा रहे ऐसे वर्ग की दबी-दबी ही सही कुछ आवाजें, कविताओं में यदा-कदा सुनाई पड़ जाती हैं। युवा कवि शंकरानंद के नए कविता संग्रह 'नाखून में फंसी मिट्टी' की कविताओं को भी इस नजरिए से देखा जा सकता है। इन कविताओं में जीवन की त्रासदियों को वे बहुत सशक्तता से व्यक्त करते हैं। मिसाल के तौर पर गांव से शहर में विस्थापन की बाध्यता के दर्द को 'मेरे साथ गांव/सिर्फ परिचय में कागज पर है/ बस उतनी ही है



दोहे

राजेंद्र श्रीवास्तव

बरस रहे घनघोर

कल जाने क्या कह गए, इन गैधों से गौर।
आज भोर से ही यहां, बरस रहे घनघोर॥
बरसे मेघा अनवरत, भरे तलैया-ताल।
उड़े पवन के साथ फिर, बेचारे कंगाल॥
इस रिमझिम बरसात में, भीनी-भीनी भोर।
शहरों में सड़के धुलीं, वन में नावें भोर॥
सांझ ठले सिर पर पड़ी, शीतल सुखद फुहार।
झन-झन-झन झंकृत हुए, मन-वीणा के तार॥
पावस रितु में छा गए, नम पर घन भरपूर।
अभिनंदन वातक करें, स्वागत-नृत्य नयूर॥
सुनी पवीरा की कहीं, पिव-पिव करुण पुकार।
आस बंधाने आ गई, यह पावसी फुहार॥
गाड़ी की मज्दुर पर, गैध गया बन हार।
रुककर बरसाने लगा, प्यार और जल-धार॥

बंद मकान में मिले 6 दिन पुराने बुजुर्ग दंपती के शव, हत्या और लूट की आशंका

किराएदार के कमरे में जमीन पर पड़े थे दोनों के शव, अलमारी खुली मिली; खून से सने तौलिए बरामद, फरार किराएदार पर शक

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के गोविंदपुरी कॉलोनी में शनिवार रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बंद मकान के अंदर बुजुर्ग पति-पत्नी के करीब छह दिन पुराने शव बरामद हुए। दोनों शव घर में किराए पर दिए गए कमरे में जमीन पर पड़े थे। पति अर्द्धनग्न हालत में था, जबकि पत्नी कपड़े पहने हुए थी। शवों पर कोड़े पड़ चुके थे। परिजनों ने दोनों की हत्या कर लूटपाट किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और किराएदार की तलाश की जा रही है।

मृतकों की पहचान विश्वनाथ पाल (70) और उनकी पत्नी भुवन देवी (65) के रूप में हुई है। दोनों मूलरूप से टोड़ी फतेहपुर थाना क्षेत्र के पुराबगरौनी गांव के रहने वाले थे। करीब 25 साल पहले वे

झाँसी के महीसागंज में आकर रहने लगे थे। वर्ष 2019 में गोविंदपुरी कॉलोनी में मकान बनवाकर वहां रहने लगे थे। उनके बेटे जगपाल और दो बेटियां फूला व गीता हैं।

किराएदार ने फोन किया बंद जगपाल ने बताया कि वह माता-पिता के मकान से करीब दो किलोमीटर दूर पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। शनिवार शाम करीब 6:30 बजे किराएदार सतेंद्र ने फोन कर बताया कि अंकल-आंटी गेट नहीं खोल रहे हैं और फोन भी नहीं उठा रहे। इसके बाद जगपाल ने माता-पिता को करीब 10 बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

रात में वह मकान पर पहुंचा। गेट अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो वह गेट फांदकर अंदर गया। किराएदार के कमरे में

माता-पिता के शव जमीन पर पड़े मिले। घर की अलमारी खुली हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था।

जगपाल का आरोप है कि मां ने पोती की शादी के लिए करीब दो लाख रुपये और गहने रखने की बात बताई थी। ये सामान भी गायब है। उसका कहना है कि मुख्य गेट पर लगा ताला भी घर का नहीं था। आशंका है कि वारदात के बाद बदमाश ताला लगाकर फरार हुए।

8 दिन पूर्व मीट व शराब की पार्टी परिजनों के मुताबिक करीब आठ दिन पहले जगपाल अपने माता-पिता और किराएदार सतेंद्र के साथ था। उस दिन घर में मीट बनाया गया था और तीनों ने शराब भी पी थी। इसके बाद जगपाल अपने घर चला गया। उसके मुताबिक उस दिन पैसों को लेकर मां से उसकी कहामुनी भी हुई थी।

परिजनों ने कमरे से खून से सने दो तौलिए मिलने की बात कही है। वहाँ, किराएदार सतेंद्र बस कंडक्टर है और अक्सर दो-चार दिन में कमरे पर आता था। शनिवार को उसी ने जगपाल को फोन किया, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल बंद बताया जा रहा है।

आईजी बोले,पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगा मौत का कारण स्पष्ट

आईजी झाँसी आकाश कुलहरि ने बताया कि दोनों शव करीब पांच से छह दिन पुराने हैं और सड़-गल चुके हैं, जिससे प्रथम दृष्टया मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि बेटे ने किराएदार सतेंद्र पर शक जाहिर किया है। उसे ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय जिज्ञौतिया ब्राह्मण महासंघ का जिला इकाई का स्नेह सम्मेलन सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। अंतरराष्ट्रीय जिज्ञौतिया ब्राह्मण महासंघ का झाँसी जिला इकाई का स्नेह सम्मेलन राजकीय संग्रहालय झाँसी में संगठन के केन्द्रीय संयोजक सभापति पंडित कपिल देव मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश रिछरिया, केन्द्रीय अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी टीकमगढ़ के विशिष्ट आतिथ्य तथा जी आई सी झाँसी के सेवानिवृत्त प्राचार्य आलोक शांडिल्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि कपिल देव मिश्रा ने जिज्ञौति जिज्ञौतियाई जिज्ञौतिखंड पर प्रकाश डालते हुये महासंघ के मिशन इतिहास पर प्रकाश डालते हुये कहा कि समाज को जोड़कर न केवल जिज्ञौतिया ब्राह्मण समाज बल्कि जिज्ञौति में रहने वाली सससनातनी जाति की परंपरा का इतिहास पर प्रकाश डाला (उन्होंने कहा कि जिज्ञौतिया ब्राह्मण महासंघ की 10 प्रांतों में 75इकाईयों में संगठन का कार्य हो रहा है।आगामी समय में निवाड़ी,मऊरानीपुर, ललितपुर, जालौन,में महासंघ के स्नेह सम्मेलन आयोजित किए जायेंगे।उन्होंने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिये यह सनातन संस्कृति को पुनर्जगृत करते हुए एक मात्र वैचारिक संगठन है।इस अवसर पर समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजनों एव बुजुर्गों का सम्मान किया गया।

इस मौके पर मातृ शक्ति केंद्रीय अध्यक्ष रजनी अरजरिया, केंद्रीय संगठन



मंत्री संध्या त्रिपाठी, रंजना तिवारी, सुमित रिछरिया, जिलाध्यक्ष अनूप व्यास, जिला संयोजक धर्मेन्द्र तिवारी, जिला संयोजक शहर संदीप पटेरिया, क्षेत्रीय संगठन मंत्री सनातन संस्कृति को पुनर्जगृत करते हुए एक मात्र वैचारिक संगठन है।इस अवसर पर समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजनों एव बुजुर्गों का सम्मान किया गया।

इस मौके पर मातृ शक्ति केंद्रीय अध्यक्ष रजनी अरजरिया, केंद्रीय संगठन

रविकांत व्यास, सुरेंद्र सुड़ेले, सुदामा समेले, भवानीप्रसाद पस्तोर, अशोक पांडेय, बृजेश पांडेय, अश्वनी पाण्डेय, सुरेश तिवारी निवाड़ी, देवेंद्र बाजपेई, विजय दुबे, एस के व्यास, जिलाध्यक्ष युवा शक्ति इकाई मोहित गौतम, सुधीर कौशिक, तहसील अध्यक्ष सुरेशचंद बबले, हरिशंकर चतुर्वेदी,महेश समेले,पुष्पेंद्र तिवारी,पंकज मिश्रा, विजय तिवारी, विजय दुबे देवरी, रामबाबू गोस्वामी, देवेंद्र गोस्वामी, बलराम हूँडेट,

यूपी कैडर के आईएस क्यों दे रहे इस्तीफा; काम का दबाव या पॉलिटिकल प्रेशर, आखिर क्या है वजह?

(यंग भारत न्यूज)
लखनऊ: यूपी की चर्चित और युवा आईएएस अफसर दिव्या मित्तल ने रविवार को ही इस्तीफा दे दिया. 2013 बैच की आईएएस अफसर के इस्तीफे की खबर नौकरशाही में चर्चा बनी है. दिव्या मित्तल ने डीएम रहते हुए कई सराहनीय काम किए. मिर्जापुर के एक गांव में पानी पहुंचाने का श्रेय उन्हीं को जाता है. इसके साथ ही लोगों से उनका जुड़ाव भी हमेशा बना रहा. यही कारण है कि उनके इस्तीफे ने सभी को चौंका दिया. साथ ही सवाल उठने लगे हैं कि हाल के वर्षों में यूपी से आईएएस अफसर रूठ क्यों रहे हैं? दिव्या मित्तल के इस्तीफे के बाद राजनीतिक दलों ने भी योगी सरकार को घेरा है. सपा और कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं.

भारतीय प्रशासनिक सेवा को देश में सबसे पावरफुल सर्विस माना जाता है, लेकिन यूपी कैडर के आईएएस अफसरों का नौकरी से मोहभंग होना, कई तरह के सवाल उठा रहा है. ये कि क्या यूपी में आईएएस अधिकारी घुटन महसूस कर रहे हैं? क्या सरकारी दबाव के बजाय नौकरी से ही तौबा कर लेना चाह रहे हैं या फिर नौकरी छोड़कर कारपोरेट सेक्टर में जाने की योजना बना रहे हैं? यूपी में पिछले कुछ साल में आठ आईएएस अधिकारी इस्तीफा दे चुके हैं और कई केंद्रीय प्रतियुक्ति पर दिल्ली या फिर अन्य राज्यों में नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं. आईएएस अधिकारियों के नौकरी छोड़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण काम के प्रेशर के प्रेशर के साथ पॉलिटिकल प्रेशर भी माना जा रहा है. माना जा रहा है कि कुछ अधिकारी तो व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे रहे हैं और कुछ यूपी में काम के



दबाव के कारण दिल्ली जाना चाहते हैं.

इन अफसरों ने दिए इस्तीफे

जूथिका पाटनकर: 1988 बैच की आईएएस, उन्होंने 2022 में स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया. 2022 में मंजूर.

मोहम्मद मुस्तफा: 1995 बैच के आईएएस अफसर. निजी कारणों से 2024 में स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति की मांग की थी. इस्तीफा मंजूर.

रेणुका कुमार: 1997 बैच की आईएएस अफसर. व्यक्तिगत कारणों से पद से इस्तीफा दिया.

रिंजयान सैफल: 2003 बैच के आईएएस अधिकारी, मुख्यमंत्री के सचिव रहे. पर्सनल रीजन बता स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति ली.

विकास गोटलवाल: 2008 बैच के आईएएस अधिकारी. निजी कारणों से इस्तीफा दिया.

विद्या भूषण: 2008 बैच के आईएएस. बिना बताए छुट्टी लेने के आरोप में सस्पेंड हुए. पिछले साल भी माना जा रहा है. माना जा रहा है कि कुछ अधिकारी तो व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे रहे हैं और कुछ यूपी में काम के

नौकरी में लापरवाही बरतने को लेकर सस्पेंड किया गया. इसके बाद उन्होंने सर्विस छोड़ दी थी. जौनपुर से चुनाव लड़ने की भी कोशिश की थी. क्षेत्र से अयोध्या के लिए फ्री में बसें भी शुरू कीं. भाजपा से अभिषेक सिंह टिकट चाहते थे. न मिलने के कारण उन्होंने एक बार फिर नौकरी ज्वाइन करने के लिए प्रयास किया. सरकार ने उन्हें वापस नौकरी के लिए हट्टे नहीं दी.

दिव्या मित्तल: 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने 30 अगस्त को आईएएस की नौकरी से इस्तीफा दे दिया. आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने जिन-जिन जिलों में जिलाधिकारी रहते काम किया, उसकी हर तरफ सराहना हुई. मिर्जापुर में तो उन्होंने आजादी के बाद पहली बार एक गांव में पानी पहुंचवाया. इसके अलावा एक मंदिर का उन्होंने ग्रामीणों से चंदा लेकर पुनरुद्धार कराया. बस्ती के लिए जब उनका ट्रांसफर हुआ तो स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से उन्हें लाद दिया.

राजीव अग्रवाल ने भी इस्तीफा दिया।

सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने जलभराव प्रभावित गांवों का किया दौरा, पीड़ितों को दिया हर संभव मदद का भरोसा

(यंग भारत न्यूज)
जालौन। भारी बारिश के चलते उत्पन्न हुई जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने प्रभावित गांवों का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जलभराव की वजह से मकान ध्वस्त होने के कारण बेघर व संकट में आए बरार समाज तथा अन्य पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और दर्द जाना।

दौरे के दौरान विधायक ने क्षतिग्रस्त आवासों और जलभराव की जमीनी स्थिति को देखा तथा पीड़ितों को ढाढस बंधाया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस कठिन घड़ी में वे पूरी तरह से पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। विधायक ने सभी प्रभावितों को हर संभव आर्थिक व राहत सहायता दिलाने तथा समस्या के त्वरित व समुचित समाधान का पूरा भरोसा दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को पीड़ितों तक तुरंत राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। इस मौके पर हरीश चंद्र सिरौठिया, महेश तिवारी, दिनेश गुप्ता, हल्के नेता, मधु महाराज एवं रामू गुप्ता (जालौन) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।



अवैध खनन के ‘चोर रास्ते’ पर बेकाबू रफ्तार का कहर: अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को रौंदा, एक की मौत, दूसरा गंभीर

(यंग भारत न्यूज)
जालौन। अवैध खनन में लगे वाहनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले संपर्क मार्ग (‘चोर रास्ते’) आम राहगीरों के लिए लगातार काल साबित हो रहे हैं। देर रात जालौन-हरदोई गुर्जर मार्ग स्थित धनतौली मोड़ पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

परिवार का सहारा छिना, छाया मांम

मृतक की पहचान आटा थाना क्षेत्र के ग्राम जौराखेड़ा निवासी वीर सिंह (28) पुत्र काशीप्रसाद के रूप में हुई है। वीर सिंह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। हादसे में उसके साथ मौजूद साथी विकास गंभीर रूप से घायल हुआ है। वीर सिंह की असमय मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है और परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है।

पुलिस ने घायल को अस्पताल उहूँचाया, जांच शुरू

सूचना मिलते ही कोतवाली जालौन पुलिस के उपनिरीक्षक निसार अहमद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने घायल विकास को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

मृतक वीर सिंह के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर फरार अज्ञात वाहन और चालक की तलाश कर रही है।

प्रशासनिक अन्वेषण से ग्रामीणों में भारी रोष

ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य सड़कों पर जांच से बचने के लिए ओवरलोड और अवैध खनन से लदे वाहन लंबे समय से इस रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। रात के समय इन भारी वाहनों की अनियंत्रित गति के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे यह मार्ग हादसों का केंद्र बन गया है। पुलिस के अनुसार मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

